International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN :2581-9925(Online), Impact Factor: 7.555, Volume 07, No. 03(III), July- September, 2025, pp. 126-130

# ढूंढ़ाड़ प्रदेश में पर्यटन सुविधाऐं तथा उनका पर्यटकों के आगमन पर प्रभाव

**हंसराज बुनकर[1*] | डॉ. मदन लाल[2]**

[1]शोधार्थी, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
[2]आचार्य, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

[*]Corresponding Author: hansukumar203206@gmail.com

*Citation: हंसराज बुनकर, मदन लाल (2025). ढूंढ़ाड़ प्रदेश में पर्यटन सुविधाऐं तथा उनका पर्यटकों के आगमन पर प्रभाव. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science, 07(03(III)), 126–130*

## सार

*किसी भी प्रदेश के भ्रमण हेतु सबसे महत्वपूर्ण उस क्षेत्र के पर्यटन स्थल तथा वहां प्रदान की जाने वाली सुविधाऐं होती हैं। राजस्थान राज्य तथा ढूंढ़ाड़ प्रदेश पर्यावरण की दृष्टि से काफी विकसित है। प्रदेश का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा भौगोलिक स्वरूप पयर्हटन की दृष्टि से काफी विकसित है। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों तथा पर्यावरण की सकारात्मक स्थिति के चलते पर्यटन उद्योग प्रदेश में काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पर्यटन स्थलों पर मिलने वाली सुविधाऐं किसी भी पर्यटक के मस्तिष्क में उस स्थान के प्रति विचार स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उसके विचार सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार के हो सकते हैं जो पर्यटन स्थलों पर प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से प्रभावित होते हैं। पर्यटन स्थलों पर अच्छी सुविधाओं का प्रभाव पर्यटक आगमन पर पड़ता है। पर्यटकों के आगमन में आये सकारात्मक परिवर्तन प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाते हैं तथा विकास करते हैं। विभिन्न प्रकार के लद्यु व कुटीर उद्योगों पर पर्यटन विकास का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे आजीविका विकास होता है। पर्यटन सुविधाओं में विगत दशकों में सकारात्मक परिवर्तन देखा गया है जिसका प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। पर्यटन उद्योग में देखे गये सकारात्मक परिवर्तन में प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं पर्यावरणीय स्थिति महत्वपूर्ण रहती है।*

***शब्दकोशः*** *ऐतिहासिक, सांस्कृतिक स्थल, भौगौलिक स्वरूप, लद्यु–कुटीर उद्योग।*

## प्रस्तावना

पर्यटन की किसी भी प्रदेश व जिले की दशा एवं दिशा बदल सकता है। ढूंढ़ाड जिले में पर्यटन की बात करें तो यहां पर्यटन अपने चर्म पर है। जिले का प्राकृतिक सौद्धर्य तथा ऐतिहासिक स्वरूप किसी से भी छिपा हुआ नहीं है। राजस्थान राज्य के प्रमुख पर्यटन केन्द्रों में सुमार है, यह जिला। यहाँ की जलवायु तथा स्थलाकृतिक स्वरूप लोगों को अपनी और आकर्षित करने का कार्य करता है। जिले में कई ऐतिहासिक किले एवं दुर्ग हैं जो कि ढूंढ़ाड प्रदेश की वीरता, यहां के यौद्धाओं के सम्य साहस को परिभाषित करते हैं। यहां निर्मित इन किलों पर विभिन्न शैलीयाँ दार्शनिकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। जिले में हस्तशिल्प शैली का भी चलन है जो कि सम्पूर्ण विश्व पर अपनी एक अलग पहचान रखता है।

[*] *Copyright © 2025 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

ढूंढ़ाड प्रदेश में प्रारम्भ से ही पर्यटकों की रूचि रही है। समय के साथ में पर्यटन स्थलों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा पर्यटन स्थलों पर मिलने वाली सुविधाओं में भी अच्छा परिवर्तन देखने को मिला है। पूर्व में ढूंढ़ाड प्रदेश के पर्यटन स्थल मात्र भ्रमण स्थल के रूप में जिले में अपना स्थान रखते थे। परन्तु समय के साथ यह स्थल जिले की अर्थव्यवस्था में भी अपना अहम योगदान दे रहे हैं। ढूंढ़ाड प्रदेश की अर्थव्यवस्था में एक सकारात्मक योगदान यहाँ के पर्यटन स्थलों का बनता जा रहा है।

ढूंढ़ाड प्रदेश में राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अंतराष्ट्रीय पर्यटकों का भी आगमन होता रहा है। वर्तमान समय में इसकी संख्या में निरन्तर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की जा रही है। जिले में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से भी काफी सकारात्मक प्रयास किये गये हैं। जिले में विभिन्न स्थलों पर पर्यटक सहायता केन्द्रों की स्थापना की गयी है। इसके अतिरिक्त पर्यटन स्थलों पर उचित पुलिस व्यवस्था भी की जाने लगी है, जिसके चलते पर्यटकों का विश्वास इन स्थलों पर बढ़ा है।

## पर्यटकों हेतु विभिन्न सुविधाऐं

जिले के पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को विभिन्न प्रकार की सुविधायें प्रदान की जाती हैं, जिससे पर्यटकों को सामान्य आवश्यकताओं तथा सुविधाओं के लिए यहाँ–वहाँ भटकना नहीं पड़े। वर्तमान समय में पर्यटन स्थल पर मिलने वाली सुविधाऐं निम्न हैं:

- **यातायात की सुविधा**

ढूंढ़ाड प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पहुंचने के लिए पर्यटकों को उचित यातायात सुविधा प्रदान की जा रही है। ढूंढ़ाड प्रदेश में यातायात के तीनों माध्यमों वायु मार्ग, रेल मार्ग, सड़क मार्ग की सुविधा उपलब्ध है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को एयरपोर्ट, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड से विभिन्न स्थलों पर यात्रा करने के लिए राजकीय साधन आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त निजी वाहनों की सुविधा भी आसानी से उपलब्ध है।

- **अच्छी सड़के**

ढूंढ़ाड प्रदेश की विभिन्न सड़के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों से जुड़ी हुई हैं। ढूंढ़ाड प्रदेश के लगभग सभी पर्यटन स्थलों पर पक्की सड़कें उपलब्ध हैं, जो कि पर्यटकों के लिए सुविधा प्रदान करती हैं। सड़कों पर साइन बोर्ड की व्यवस्था है जो पर्यटकों को पर्यटन केन्द्र पर पहुंचने में सुविधा प्रदान करते हैं।

- **चिकित्सा केन्द्र**

जिले के पर्यटन केन्द्रों पर चिकित्सा सुविधाऐं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा सरकारी चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना की गयी है। इन चिकित्सा केन्द्रों पर देशी व विदेशी पर्यटकों को विभिन्न स्वास्थ्य सम्बन्धित सुविधाऐं प्रदान की जाती हैं।

- **बैंकिग सुविधा**

पर्यटकों को विभिन्न प्रकार की बैंकिग सुविधाओं की आवश्यकता होती है। अन्तराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए विदेशी मुद्रा की प्राप्ति हेतु बैंकिग सुविधा प्रदान की जाती है। इन सुविधाओं के पर्यटन केन्द्रों पर स्थित होने के कारणवश अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों का आगमन बढ़ा है।

- **सुरक्षा व्यवस्था**

पर्यटकों को पर्यटन स्थल पर सुरक्षा की उचित व्यवस्था प्रदान की जा रही है। पर्यटकों को किसी प्रकार की समस्या ना हो इस हेतु पुलिस चौकियों की स्थापना की गयी है। पर्यटन स्थल के समीप चौकीयाँ स्थापित होने से पर्यटकों का भरोसा बढ़ा है तथा उनकी संख्या में वृद्धि देखी गयी है।

- **लाइसेंस गाईड**

भ्रमण हेतु आने वाले पर्यटक पर्यटन स्थलों से अनभिज्ञ होते हैं, इस अनभिज्ञता के चलते उन्हें केन्द्रों की जानकारी प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा लाइसेंसधारी गाइड़ों की व्यवस्था की गयी है। जिससे पर्यटकों को काफी सहायता मिलती है।

- **पर्यटन सहायता केन्द्र**

पर्यटकों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए पर्यटन सहायता केन्द्रों की स्थापना की गयी है। इन केन्द्रों पर पयटकों की समस्याओं का निशुल्क निराकरण किया जाता है।

- **रात्रि विश्राम व्यवस्था**

पर्यटकों को रात्रि विश्राम की सुविधा प्रदान करने के लिए विभिन्न स्थलों के समीप सरकारी विश्राम गृहों का निर्माण किया गया है। इन विश्राम गृहों पर पर्यटकों के ठहरने व भोजन की उचित व्यवस्था की जाती है।

**पर्यटक आगमन**

ढूंढ़ाड प्रदेश में पर्यटकों के आगमन में काफी परिवर्तन देखा गया है। विगत वर्षों में पर्यटकों का ढूंढ़ाड प्रदेश में आना–जाना काफी बढ़ा है। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में आ रही वृद्धि को तालिका द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

**तालिका 1: ढूंढाड़ प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का विवरण**

| | 2023 | | 2024 | |
|---|---|---|---|---|
| | देशी पर्यटक | विदेशी पर्यटक | देशी पर्यटक | विदेशी पर्यटक |
| दौसा जिला | 2938581 | 78985 | 3101798 | 86583 |
| जयपुर जिला | 20122184 | 872887 | 12683670 | 163467 |
| **ढूंढाड़ प्रदेश** | **23060765** | **951872** | **15785468** | **250050** |

स्त्रोतः प्रगति प्रतिवेदन 2024–25, पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार।

वर्ष 2023 में ढूंढाड़ प्रदेश में कुल देशी पर्यटक 23060765 भ्रमण हेतु आयी, वहीं विदेशी पर्यटकों की संख्या 951872 रही है। वर्ष 2024 में इस संख्या में कमी देखी गयी है जिसमें 15785468 देशी तथा 250050 विदेशी पर्यटक रहे हैं। ढूंढाड़ प्रदेश में आने वाले सर्वाधिक पर्यटकों का रूझान जयपुर जिले की और देखा गया है, जिसका प्रमुख कारण जिले की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक बनावट रही है।

**तालिका 2: राजस्थान राज्य व ढूंढाड़ प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का विवरण**

| | 2023 | | 2024 | |
|---|---|---|---|---|
| | राजस्थान | ढूढांड़ प्रदेश | राजस्थान | ढूढांड़ प्रदेश |
| देशी पर्यटक | 179051925 | 23060765 | 230084198 | 15785468 |
| विदेशी पर्यटक | 1699869 | 951872 | 2072407 | 250050 |

स्त्रोतः प्रगति प्रतिवेदन 2024–25, पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार।

वर्ष 2023 में राजस्थान राज्य में कुल 179051925 देशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी जिसमें से 23060765 पर्यटक ढूंढाड़ प्रदेश में यात्रा हेतु आये। वहीं 1699869 विदेशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी जिसमें 951872 पर्यटकों का रूझान ढूंढ़ाड़ प्रदेश की तहफ देखा गया है। वहीं वर्ष 2024 में राजस्थान राज्य में कुल 230084198 देशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी जिसमें ढूंढाड़ प्रदेश में 15785468 पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी। वहीं 2072407 विदेशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी जिसमें 250050 विदेशी पर्यटक ढूंढाड़ प्रदेश में पर्यटन हेतु आये हैं।

**तालिका 3: राजस्थान राज्य के कुल पर्यटकों की तुलना में ढूंढाड़ प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का प्रतिशत**

| | 2023 | 2024 |
|---|---|---|
| **देशी पर्यटक** | 12.87 | 6.86 |
| **विदेशी पर्यटक** | 55.99 | 12.06 |

स्त्रोतः प्रगति प्रतिवेदन 2024–25, पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार।

वर्ष 2023 में राजस्थान में आये कुल पर्यटकों की तुलना में ढूंढाड़ प्रदेश में 12.87 प्रतिशत देशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी जबकि 55.99 प्रतिशत विदेशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी थी। वहीं वर्ष 2024 में कुल 6.86 देशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी जबकि 12.06 प्रतिशत विदेशी पर्यटकों द्वारा यात्रा की गयी है।

**तालिका 4: ढूंढाड़ प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का जिलेवार प्रतिशत**

| | 2023 | | 2024 | |
|---|---|---|---|---|
| | **जयपुर जिला** | **दौसा जिला** | **जयपुर जिला** | **दौसा जिला** |
| **देशी पर्यटक** | 87.25 | 12.74 | 80.35 | 19.64 |
| **विदेशी पर्यटक** | 91.70 | 8.29 | 65.37 | 34.62 |
| **कुल** | **87.43** | **12.56** | **80.11** | **19.88** |

स्त्रोतः प्रगति प्रतिवेदन 2024–25, पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार।

वर्ष 2023 में ढूंढाड़ प्रदेश में आये कुल पर्यटकों में 87.43 प्रतिशत जयपुर जिले में तथा 12.56 प्रतिशत दौसा जिले में भ्रमण हेतु आये हैं। जिसमें देशी पर्यटकों में 87.25 जयपुर जिले में तथा 12.74 प्रतिशत दौसा जिले में आये हैं। वहीं विदेशी पर्यटकों में 91.70 प्रतिशत जयपुर जिले में तथा 8.29 प्रतिशत दौसा जिले में भ्रमण हेतु आये हैं।

वर्ष 2024 में ढूंढाड़ प्रदेश में आये कुल पर्यटकों में 80.11 प्रतिशत जयपुर जिले में तथा 19.88 प्रतिशत दौसा जिले में भ्रमण हेतु आये हैं। जिसमें देशी पर्यटकों में 80.35 जयपुर जिले में तथा 19.64 प्रतिशत दौसा जिले में आये हैं। वहीं विदेशी पर्यटकों में 65.37 प्रतिशत जयपुर जिले में तथा 34.62 प्रतिशत दौसा जिले में भ्रमण हेतु आये हैं।

**तालिका 5: ढूंढ़ाड़ प्रदेश में आये पर्यटकों का विवरण 2011–2022 तक**

| वर्ष | ढूंढ़ाड़ प्रदेश में पर्यटक आगमन | |
|---|---|---|
| | देशी | विदेशी |
| 2011 | 1035885 | 416824 |
| 2012 | 998703 | 534256 |
| 2013 | 1104905 | 566429 |
| 2014 | 1170152 | 568234 |
| 2015 | 1201152 | 596756 |
| 2016 | 1544730 | 565978 |
| 2017 | 1702665 | 633990 |
| 2018 | 1787836 | 681227 |
| 2019 | 1727695 | 646402 |
| 2020 | 614514 | 180358 |
| 2021 | 992014 | 14717 |
| 2022 | 3372924 | 159210 |
| 2023 | 23060765 | 951872 |
| 2024 | 15785468 | 250050 |

स्त्रोतः प्रगति प्रतिवेदन 2022–23, पर्यटन विभाग, राजस्थान।

तालिका के अनुसार ढूंढ़ाड प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का विवरण दर्शाया गया है। वर्ष 2011 से 2024 तक के आंकड़ों के आधार पर यहां आने वाले देशी व विदेशी पर्यटकों का अध्ययन किया गया है। 2011 से अब तक के आंकड़ों को देखे तो कोरोना काल के दौरान आंकड़ों में गिरावट आयी है जो कि स्वाभाविक है। इसके अलावा देखें तो वर्ष 2011 से 2019 तक लगभग प्रत्येक वर्ष देशी व विदेशी पर्यटकों के आंकड़ों में वृद्धि देखी गयी है। विशेषतः वर्ष 2017 से 2019 तक के आंकड़ें दर्शाते हैं कि पर्यटकों की संख्या उक्त दिवसों में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 से 2022 तक कोराना महामारी के चलते पर्यटन उद्योग काफी प्रभावित रहा है। उसके उपरान्त वर्ष 2023 व 2024 में अच्छी वृद्धि पर्यटको के आगमन में दर्ज की गयी है।

## निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट है कि राजस्थान राज्य के ढूंढ़ाड़ प्रदेश में पर्यटन उद्योग प्रगतिशील रहा है। प्रदेश में कई ऐसे पर्यटन केन्द्रों की भी स्थापना की गयी है जो कि युवाओं को आकर्षित करते हैं। विगत कुछ वर्षों में ज्यों–ज्यों पर्यटन उद्योग का विकास हुआ है कई नवीन समस्याओं का भी उसके साथ ही जन्म हुआ है। देशी पर्यटकों के साथ–साथ विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। पर्यटन विभाग द्वारा उनकी सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा केन्द्रों की स्थापना भी की गयी है। परन्तु विचार का विषय यह है कि उन पर्यटकों को इसकी सूचना अवगत करवाना। पर्यटकों को पर्यटन स्थल पर सुरक्षा सम्बन्धित जानकारियाँ प्रदान की जानी चाहिए, जिससे की पर्यटक किसी भी परिस्थिति में इन सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

वर्तमान समय में पर्यटन स्थलों पर लाइसेंसधारी गाइड़ों की व्यवस्था सरकार द्वारा की गयी है। परन्तु आज भी गैर लाइसेंसधारी गाइड़ों द्वारा पर्यटकों को भ्रमित किया जा रहा है। इनके द्वारा न केवल पर्यटकों को गलत सूचनाऐं प्रदान की जाती है, इसके साथ–साथ पर्यटकों से मनचाही वसूली की जाती है। जो पर्यटक भ्रमण हेतु आते हैं, उन्हें इस प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए विभाग को चाहिए कि सभी लाइसेंसधारी पर्यटकों को विभाग द्वारा स्वयं पर्यटकों को जानकारी साझा करने के लिए प्रेषित किया जाये तथा यदि कोई पर्यटक गाइड की सुविधा चाहता है तो उससे निर्धारित शुल्क स्वयं विभाग द्वारा प्रवेश शुल्क के साथ ही वसूल कर लिया जाये। साथ ही पर्यटन स्थलों पर पुलिस एवं विभाग के अधिकारियों द्वारा गैर लाइसेंसधारी व्यक्तियों को हटाया जाना चाहिए। पर्यटकों के लिए किसी भी क्षेत्र में भ्रमण करने हेतु सबसे महत्वपूर्ण ठहरने हेतु आवास व्यवस्था होती है। प्रदेश में पर्यटन विभाग द्वारा कई स्थानों पर अतिथि विश्राम गृहों का निर्माण किया हुआ है। सामान्यतः पर्यटकों को इनके स्थान की पूर्ण जानकारी नहीं होती है। अतिथियों की इसकी पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए विभाग को चाहिए कि सभी पर्यटन स्थलों पर इसकी सूची प्रकाशित की जाये, जिससे सामान्य पर्यटकों को भी इन स्थलों की पूर्ण जानकारी रहे। साथ इन विश्राम गृहों तथा अन्य होटलों इत्यादि पर भोजन की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। कई होटलों में पर्यटकों को पुराना, अत्यधिक तेल मसालेदार एवं खराब भोजन भी उपलब्ध करवा दिया जाता है, जिसका पर्यटकों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

## संदर्भ ग्रंथ सूची


1. इंडिया टूरिज्म स्टेटिस्टिक्स (2022). पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार।
2. भाटिया, ए.के. (1978). *"टूरिज्म इन इंडिया : हिस्ट्री एण्ड डवलपमेन्ट"*. स्टर्लिंग पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
3. प्रगति प्रतिवेदन (2020–21). पर्यटन विभाग, राजस्थान, जयपुर।
4. प्रगति प्रतिवेदन (2021–22). पर्यटन विभाग, राजस्थान, जयपुर।
5. प्रगति प्रतिवेदन पत्रिकाएं राज दी हैरिटेज वेल्थ ऑफ राजस्थान, राजस्थान ट्यूरिज्म, आरटीडीसी, जयपुर, 2022
6. प्रगति प्रतिवेदन, (2021–22). पर्यटन विभाग राजस्थान, जयपुर।
7. राजस्थान पर्यटन ''उपलब्धियों के वर्ष'' पर्यटन विभाग, जयपुर 2022


❑❑❑